

Shri A. K. Antony, CWC Member & former Union Minister, Shri Randeep Singh Surjewala, MLA, In-charge Communication Deptt. AICC and Shri RPN Singh, former Union Minister & Spokesperson AICC addressed the media today.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि आज आदरणीय ए.के. एंटनी साहब और हम सब आपके बीच में उपस्थित हैं। आज सुबह से मोदी सरकार के दमन चक्र, मोदी सरकार के जालिम व्यवहार, मोदी सरकार की क्रूरता और बर्बरता, मोदी सरकार द्वारा शहीदों का अपमान, मोदी सरकार द्वारा की जा रही सैनिकों की अनदेखी ने पूरे देश को शर्मसार किया है। मोदी जी और उनकी सरकार को शर्म से अपना सिर झुका लेना चाहिए।

सूबेदार रामकिशन गेवाल जो बामला गाँव भिवानी के रहने वाले थे उन्होंने एक पत्र देश के रक्षा मंत्री को लिखा और उसमें 3 महत्वपूर्ण बातें कही- सूबेदार साहब ने कहा कि उन्होंने 30 साल 9 महीने और 26 दिन इस देश की सेना और सेवा में नौकरी की है। इस देश की माटी को अपने माथे से लगा कर रखा और उसके बावजूद भी उन्हें सातवें आयोग वेतन का पूरा लाभ नहीं मिला और ना वन रैंक वन पेंशन मिल पा रहा है। उन्होंने विशेष तौर से लिखा कि पेंशन की बढ़ोतरी नहीं मिल रही है जो दूसरे लोगों को मिल रही है और ये लिखकर आखिर में अपने हाथ से मार्मिक शब्द लिखे इस देश के सैनिकों को ओर से - उन्होंने लिखा- नोट- ये मेरे देश के लिए, मेरी मातृभूमि के लिए और मेरे देश के वीर जवानों के लिए अपने प्राणों को न्योछावर कर रहा हूँ और ये कह कर दुर्भाग्य से उन्होंने आत्महत्या कर ली। सूबेदार रामकिशन गेवाल का परिवार, उनके दो बेटे, एक दामाद और उनका बूढ़ा भाई जब उनका पार्थिव शरीर लेने दर दर की ठोकरें खा रहा था और राम मनोहर लोहिया अस्पताल में आज सुबह गया तो उस पार्थिव शरीर का पता तक बताने से मोदी जी की सरकार ने इंकार कर दिया। पार्किंग में एक पत्थर के ऊपर वो पूरा परिवार बैठा था।

सूबेदार गेवाल से व्यक्तिगत तौर से मिलने का और उनके घर जाने का सौभाग्य पिछले साल प्राप्त हुआ उनके घर जाकर। उनके परिवार के आँसू पोंछने हरियाणा के कांग्रेस दल की नेता किरण चौधरी और मैं हम दोनों वहाँ पहुंचे, उनकी समस्या जानने और दुख की घड़ी में दो सांत्वना के बोल बोलने, पुलिस ने बर्बरता दिखाते हुए डिक्टेटरशीप और तानाशाही दिखाते हुए सभी मीडिया चैनल के कैमरामैन और और पत्रकारों को उठाकर बाहर फेंक दिया।

उन बच्चों की और उनके बूढ़े भाई की केवल एक मांग थी कि हमारे पिता तो दुनिया से चले गए, देश के सैनिकों की वन रैंक वन पेंशन की मांग की दुहाई करते हुए, हमें राहुल गाँधी जी से मिलना है,

क्योंकि हमें विश्वास है कि वन रैंक वन पेंशन की मांग को राहुल गाँधी जी पूरा करवायेंगे, जब राहुल गाँधी जी तक हमने ये बात पहुंचाई तो उन्होंने फौरन निर्णय किया कि वो राम मनोहर लोहिया अस्पताल आकर परिवार से मिलेंगे। जैसे ही श्री राहुल गाँधी जी पहुंचे, परिवार के 6 आदमी और दो लोग हम मात्र 8 लोग थे, राहुल गाँधी जी को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में अंदर आने से इंकार कर दिया और पूरे राम मनोहर लोहिया अस्पताल को एक पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया। परिवार को जब पता चला तब वो एक अटैची में अपने पिता के तमगे, राष्ट्रपति अवार्डस और पूरे फाईल जो लेकर आए थे, उनको लेकर चल पड़े राहुल गाँधी जी दिखाने। हम सब लोग गेट तक भी नहीं पहुंचे कि दिल्ली पुलिस ने बगैर किसी कारण के भद्दी से भद्दी गालियाँ जिनकी इस मंच से चर्चा नहीं हो सकती, उस सैनिक के परिवार को दी मोदी जी के इशारे पर। मोदी जी की पुलिस ने सैनिक के उन दोनों बेटों को जिनके बाप का अंतिम संस्कार वो कर नहीं पाए उनको मारा-पीटा और घसीटा और फिर उन सबको उठाकर हिरासत में ले लिया, राहुल गाँधी जी से मिलने नहीं दिया और हिरासत में लेकर मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन में फेंक दिया। मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन में जब राहुल गाँधी जी पहुंचे उनके परिवार की केवल एक इच्छा थी कि उनके पिता का अंतिम पत्र राहुल जी को दिया जाए। राहुल गाँधी जी को गिरफ्तार कर लिया और जब वो बच्चा राहुल गाँधी जी के पास जाने लगा और ये वाक्या मैंने भी देखा और उसके वीडियो भी उपलब्ध हैं, उस बच्चे को मोदी जी की पुलिस ने हाथ से पकड़ कर पुलिस स्टेशन के फर्श पर घसीटा, वो बच्चा हाथ जोड़ता रहा, आँसू बहाता रहा, सैनिक का वो बेटा रोता रहा, लेकिन मोदी सरकार की निर्दयी पुलिस ने एक ना सुनी और उनको गिरफ्तार करके, अगुआ करके कहीं और ले गई, जब हम सबको पुलिस स्टेशन से 3 घंटे बाद छोड़ा गया, पता चला उन्हें कर्नाट प्लेस पुलिस स्टेशन में उस परिवार को बंधक बनाकर रखा है। जब राहुल गाँधी जी वहाँ गए, विपक्ष के नेता गुलाम नबी जी, दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष अजय माकन जी, माननीय ज्योतिदित्य सिंधिया जी, माननीय भूपेन्द्र हुड्डा जी, कुमारी शैलजा जी और हम सब वहाँ गए, तब परिवार को मिलने देना तो दूर, उनके साथ सांत्वना व्यक्त करना तो दूर उन सबको जबरन गिरफ्तार कर लिया गया। कुछ लोग इस समय मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन में है और राहुल गाँधी जी को तिलक मार्ग पुलिस स्टेशन में ले जाया गया। ये है उस शहीद परिवार की कहानी और आँखो देखी है जो बर्बरता पूर्वक व्यवहार मोदी सरकार ने किया है।

हम केवल ये पूछना चाहते हैं कि मोदी जी सत्ता में आने से पहले, सैनिकों की कसम उठाकर जिन नरेन्द्र मोदी जी ने रेवाड़ी में वादा किया था कि मेरे प्रधानमंत्री बनने के बाद मेरा पहला निर्णय वन रैंक वन पेंशन का होगा, क्या आप देश के उस सैनिक को, देश पर मर मिटने वाले सैनिक को ये फल दे रहे हैं, प्रधानमंत्री बनाने का।

क्या सत्ता का अंहकार, क्या सत्ता का नशा मोदी सरकार के सिर चढ कर इतना बोल रहा है कि मोदी सरकार को सैनिकों की कुर्बानी और मरे हुए सैनिकों के परिवार की पीड़ा अब राजनीति और ड्रामा

दिखाई देने लगा है।

मोदी सरकार के अनन्य भक्त जो समय-समय पर समाज के अलग-अलग वर्गों का अपमान करवाते हैं, जनरल वी.के. सिंह जी ने तो मोदी जी के इशारे पर हद कर डाली, जब उन्होंने उस मृत सैनिक जो उन्हीं के जिले से आता है, जब उसकी मृत सैनिक की गरिमा को भी अपने गंदे और तुच्छ शब्दों में धूमिल कर दिया, ये दर्शाता है मोदी सरकार की मानसीकता, उनका गरूर, सत्ता का उनका घमंड, उनका तानाशाही रवैया। प्रधानमंत्री जी राहुल गाँधी जी को जेल भेज दीजिए, कांग्रेस के सब नेताओं को जेल भेज दीजिए, दुर्व्यवहार कीजिए, हमें कोई ऐतराज नहीं, लेकिन इस देश के लाखों सैनिक जो आए दिन भारत माता के लिए जान की कुर्बानी देते हैं, जो जान पर खेलते हैं, जो आए दिन धरती माता की माटी माथे पर लगा कर जाते, शहीद होने की भी परवाह नहीं करते उनके साथ तो न्याय कीजिए, उनको तो पूरा न्याय दीजिए।

वन रैंक वन पेंशन, आदरणीय ए.के. एटनी साहब जी जब रक्षा मंत्री थे, तब कांग्रेस की सरकार ने दिया था। वन रैंक वन पेंशन का मतलब है कि एक ही रैंक और एक ही समय जिसने सर्विस की है उनको बराबर की पेंशन दी जाए और ये निर्णय नहीं किया, ये निर्णय हमने कोशियारी कमेटी ने किया, इस परिभाषा का निर्णय और वो कोशियारी जी भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्री हैं, आदरणीय ए.के. एटनी साहब जी ने, आदरणीय डॉ. मनमोहन सिंह जी ने उसे स्वीकारा और आदेश जारी किया। लेकिन मोदी जी ने क्या किया उस वन रैंक वन पेंशन को, प्रधानमंत्री बनते ही वन रैंक मैनी पेंशन कर दिया।

29 तारीख को सर्जिकल स्ट्राइक होता है, हमारे सैनिक जान पर खेलते हैं और 30 तारीख को मोदी सरकार उसी सैनिक की डिसेबिलिटी पेंशन को आधे से कम कर देती है। सैनिक पदों पर रहने वाले हमारे अधिकारियों और सिविलियन कर्मियों में भेदभाव मोदी जी की सरकार करती है। तीनों सेना प्रमुख सातवें आयोग की विसंगतियों के बारे में कहते हैं, मोदी सरकार उसको कूड़े के टोकरे के अंदर फेंक देती है, क्या ये है मोदी जी आपका न्याय इस देश के सैनिकों से?

सुबेदार रामकिशन गेवाल एक व्यक्ति नहीं थे, वो वन रैंक वन पेंशन की लड़ाई के घोटक थे, उसके चिन्ह थे, उन्होंने जान और कुर्बानी जो दी वो दुर्भाग्यपूर्ण जरूर है, लेकिन उस व्यक्ति ने कुर्बानी दी इस देश के सैनिकों के लिए, उसके परिवार को गाली देकर, उसके परिवार को थाने में मोदी जी की पुलिस के द्वारा, उसके परिवार को लात और घूसे मारकर मोदी जी क्या आप इस देश के सैनिक का सम्मान कर रहे हैं या अपमान कर रहे हैं। शहीदों का घोर अपमान हुआ है। आज हमारे शहीद सैनिकों की आत्मा जरूर कहीं ना कहीं करवटें बदल रही होगी और कोच रही होगी उस सत्तासीन अंहकारी को जिसको प्रधानमंत्री की गद्दी पर बैठाया था, गद्दी पर बैठने के बाद इतना क्रूर अन्याय शायद ही कभी

68 वर्ष में सैनिकों के परिवार के साथ हुआ होगा।

Shri Antony said we are all shocked and sad about what happened in the capital yesterday. The tragedy of suicide committed by an ex-serviceman for OROP is the main responsibility of the present Government. They are responsible for this suicide. My sympathies are for the family of the deceased ex-serviceman. Modi Government including the Prime Minister and the Defence Minister is telling for the last one year that they have already implemented the OROP fully but actually most of the ex-servicemen are still waiting to receive the OROP. Modi Government while implementing the OROP, they have diluted the OROP order issued by the UPA Government. As my colleague said now instead of 'One Rank One Pension', it is 'One Rank Five Pensions'.

Today, our Leader Shri Rahul Gandhi Ji, when he went to the Hospital to meet the Members of the deceased soldier's family, as a normal courtesy of Indian culture, he was prevented and he was illegally detained. More than any other leaders in the country, Shri Rahul Gandhi even while outside the Government, played a major role in implementing this OROP. Many a times, Shri Rahul Gandhi Ji requested the Prime Minister that he must implement the OROP as early as possible. So, from day one onwards, he was actively involved in the welfare of the ex-servicemen, not only for the OROP but for the welfare and all other activities.

OROP scheme was implemented by the UPA-II. In the Budget of Shri P. Chidambaram in February 17, 2014, this Scheme was announced. After that our Government issued Order in which it has been decided to implement principle of OROP for all ranks of Defence Forces. For the first time in the history of Independent India, OROP came in 2014 Budget. After that the Government issued the Order. The Government worked out the details in the order and also clarified what is the meaning of OROP.

We had clarified "OROP implies that uniform pension will be paid to the Armed Forces personnel retiring in the same Rank with the same length of service, irrespective of the date of retirement and any future enhancement in the rate of pension should be automatically passed on to the pensioners". That was our decision. That was the Order. So, irrespective of date of retirement, yesterday or ten years back, a soldier who served in the same Rank for the same length of service, will be given the same Pension, that was the Order issued by the UPA Government.

This Government diluted it. Our order was OROP. This Government diluted this and now it is 'One Rank Five Pensions'. And also in our order, we have clarified this principle to also include the Family Pensioners and Disability Pensioners also to be included in the Scheme. That was the decision taken by the UPA Government. This decision for the first time to implement the OROP was announced by the UPA Government in the Budget on 17th February 2014. The Government issued the Order wherein we had clarified what is the meaning of OROP and also to include the Family Pensioners and Disability Pensioners.

Then Elections came, our Government changed. Modi Ji came.

During the election time, he had made an announcement that the day he would be the Prime Minister and I take over, one of the first decisions will be the implementation of the OROP. The Armed Forces personnel were forced to have agitations, for months together, hunger strike, relay strike, then only they could get it implemented and that also instead of OROP, 'One Rank Five Pensions'. And the ex-servicemen continued their agitation not only in Delhi but in Patna and many other State Capitals and the Government said that they will remove all these anomalies. For that they announced a 'One Man Commission'. That Report is still with the government and they are not implementing. That is why still the Serviceman all over the country, are carrying on the strike, hunger strike, token strike in whichever manner. Actually the present Government, instead of implementing the order issued by our Government, they have diluted it. Ex-servicemen are on the war path but the Prime Minister repeatedly, even from the ramparts of Red Fort, said he has to implement the OROP. He was telling every time, that we have fulfilled everything.

This is totally false, if everything was implemented, this tragedy would not have taken place. They are still waiting for the OROP. That is what happened today. These issues, after Pay Commission, lot of other issues are there. There is complaint in the ranks. The Armed Forces personnel are restless. We are not politicizing it. During our time, only the BJP leaders were on the streets. They were politicizing at that time including the present Prime Minister – almost all the BJP Leaders were on the streets at that time, they were politicizing it. Now we are only telling them to please implement the same which was to be given to the ex-servicemen by the UPA but they have not implemented it. Apart from OROP, lot of anomalies remain after the Pay Commission, they have to find a solution at the earliest. If they are true to the praise of the Armed Forces, they must without any delay, on war footing, find immediate solutions and remove all the anomalies, implement OROP in toto and at the earliest and also they must remove all the anomalies of the Pay Commission. This is our request otherwise things will be even more difficult in coming days.

I request the Government, the Prime Minister, at least after this, don't delay it, implement the OROP and also find reasonable solution to the Pay Commission anomalies at the earliest. Shri Rahul Gandhi Ji, during UPA-I and UPA-II, even now, we would proudly say is concerned about the welfare of the Armed Forces. He is continuously taking up their issue. He also wrote to the Prime Minister to please give the Armed Forces their due as a 'Diwali Gift', he is always looking after their welfare; he is their well wisher. When he was going to meet the relatives, normally it is an Indian culture, you go to Hospital, we go to the House of the deceased person to console their relatives. It is natural but he was detained. He was not allowed to meet the relatives but instead were treated cruelly the deceased soldier's son was not allowed to meet him. This is unheard of in the Indian history. If they have any kind of loyalty or sympathy for the Armed Forces, my humble request to the Prime Minister is to please apologize to the family, and to the Nation for misleading them that they have already implemented the OROP.

वी.के.सिंह के बयान पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में श्री सुरजेवाला ने कहा कि देश के सैनिकों से अगर किसी को माफी मांगनी चाहिए, पूरे देश के सैनिकों को झूठ बोलने के लिए तो वो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी हैं। श्री वी.के.सिंह जी प्रधानमंत्री मोदी जी के इशारे पर एक मोदी भक्त के तौर पर सूबेदार ग्रेवाल और उनके परिवार का अपमान कर रहे थे। मोदी जी आप और आपके मंत्री वी.के.सिंह कितना भी सैनिकों का अपमान करें, कितना भी अत्याचार करें, कितना भी उनको न्याय देने से इंकार करें, परंतु

इस देश के 125 करोड़ लोग आपके इस अहंकारी और क्रूर व्यवहार को देख रहे हैं और इस देश के लोगों ने हमेशा अहंकारी शासक को सही सजा दी है और सही सबक सिखाया और हमें विश्वास है कि मोदी जी न्याय करें या ना करें, वी.के.सिंह जी सैनिकों को कितनी भी गाली दें, सूबेदार गेवाल जी का अपमान कितना भी कर लें, लेकिन इस देश की जनता न्याय करेगी और इस लड़ाई में राहुल गाँधी जी और कांग्रेस पार्टी इस देश की जनता और सैनिकों के साथ दृढ़ता से खड़ी रहेगी।

श्री राहुल गाँधी जी को जब वो परिवार से मिलने गए मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन में तो बगैर कारण बताए और बिना किसी अपराध के गिरफ्तार कर लिया गया, हम सबको गिरफ्तार किया गया। उस शहीद के उस मरहूम सैनिक के परिवार को गिरफ्तार कर लिया गया और जब उन्होंने मांग कि वो मिलना चाहते हैं राहुल जी से तो उनको पुलिस स्टेशन के फर्श पर निर्दयता से घसीटा गया। एक बार फिर राहुल गाँधी जी जब उस परिवार को जब उन्हें पुलिस अगवा करके कनाॅट प्लेस पुलिस स्टेशन लेकर गई थी, तब पूरे कांग्रेस नेतृत्व को गिरफ्तार कर लिया गया। किस प्रकार का दमन चक्र है ये, मोदी जी क्या आपका दिल नहीं दहलता, हम मोदी जी से पूछना चाहते हैं कि क्या आपका दिल पसीजता नहीं, आप इतने निर्दयी क्यों हो गए हैं, इस देश की सरकार इतनी निर्दयी क्यों हो गई है कि उनको सैनिकों के परिवार की पीड़ा सत्ता के अहंकार में नजर नहीं आती। ये सैनिकों को न्याय दिलाने का संघर्ष जिसका बिड़ा राहुल गाँधी जी ने उठाया, जितनी बार भी राहुल जी को जेल जाना पड़े, वो जाएंगे लेकिन राहुल गाँधी जी का संकल्प लगातार जारी रहेगा।

On the question that the BJP said as well as AAP are trying to take political mileage out of such issues, Shri Surjewala said when Armed Forces and soldiers cry for justice, 125 Crore people of this country, hear that cry of justice, cry for justice is coming from their heart from Modi Ji's politics. When soldiers lay down their lives and are forced to commit suicide, on account of the pain and suffering, held upon them by arrogant Modi Government, it is immeasurable pain felt by them but it is politics of the Modi Government,. When family of dead soldiers are dragged and beaten on the streets by Modi Ji's police, it may be drama for Modi Ji, but it is the harsh reality for the pain and the suffering of the family of the soldier. When family of dead soldier demand justice, not for their father, but for millions and millions of Army Men, they are illegally detained, kidnapped and arrested by Modi Ji's police. It may be a drama for them but that is the harsh reality of the cruel, arrogant Modi Government.

Sa far as Kejriwal is concerned, it is the same insensitive Kejriwal who along with his other colleagues, did not stop their speeches when a farmer committed suicide in front of them at Jantar Mantar.

I think it is time that Prime Minister Shri Narendra Modi introspect, come down from the high saddle that he is sitting upon where he is unable to see the pain and suffering of the same Armed Forces in whose name he does politics but when it comes to giving them justice, he treats them with great disrespect and insults them and their families.